सँख्या / 500 / XXIV-3 / 2006 /2 (115) /65

प्रेषक,

एस0 के0 माहेश्वरी, सचिव, उत्तरों वल शासन

सेवा में,

निदेशक, विद्यालयी शिक्षा, उत्तर्रोयल, देहरादून ।

शिक्षा अनुभाग-3 देहरादून दिनॉक 2 6 सितम्बर, 2006

विषयः रपेशल कम्पोनेन्ट प्लान के अन्तर्गत राजकीय माध्यभिक विद्यालयों के भवनों के निर्माण हेतु धनशशि की रंबीकृति। महोदय

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या नियोजन-4/
21352/एस0री0पी0/ 2005-06 दिनों क 22-7-2006 एवं शारानादेश संख्याः 25/XXIV-3/2006 दिनों क 25.1.2006 के कम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि राज्यपाल महोदय रपेशल कम्पोनेन्ट प्लान के अन्तर्गत निम्नलिखित राजकीय माध्यिमक विद्यालयों के भवनों के चालू निर्माण कार्यों हेतु कालग -3 पर उल्लिखित अनुमोदित लागत के सापेक्ष कालम- 4 पर पूर्व स्वीकृत धनराशि को समायोजित करते हुए कालम-5 पर अंकित विवरणानुसार देय अवशेष धनराशि के सापेक्ष 120.00 लाख (रूपये एक करोड़ बीस लाख मात्र) की धनराशि को शासनादेश संख्या 233/ XXIV-3 / 2006 दिनों क 27-4-2006 द्वारा प्रश्नगत योजना में आपके निवर्तन पर रखी गयी धनराशि रूठ 1135.00लाख में से व्यय करने की सहर्ष स्वीकृति निम्नलिखित प्रतिबन्धों के अधीन प्रदान करते हैं:-

(धनराशि लाख में

विद्यालय का नाम, " जनपद	निर्माण ऐजेन्सी का नाम	आगणन की अनुभोदित लागत	रवीकृत	स्वीकृति हेतु प्रस्तावित धनराशि
1	2	3	4	5
1— रा०उ०मा०वि० मोल्टाडी, उत्तरकाशी	रा० निर्माण निगम, देहरादून इकाई।	78.14	12.00	30.00

8- आगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गयी है, उसी मद पर व्यय किया जाय, एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाये।

निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व किसी प्रयोगशाला से टेस्टिंग करा ली जाय तथा उपयुक्त पायी जानी वाली सामग्री

को प्रयोग में लाया जाये।

10- यदि स्वीकृत राशि में स्थल विकास कार्य सम्भव न हो, तो कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन मानचित्र गठित कर शासन से स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, स्वीकृति राशि से अधिक कदापि व्यय न किया जाय।

11- निर्माण की गुणवत्ता के लिए संबंधित निर्माण ऐजेन्सी उत्तरदायी

होगीं

2- उपर्युक्त धनराशि का व्यय वर्तमान वित्तीय नियमों के अनुसार किया जाय और जहाँ आवश्यक हो, व्यय करने से पूर्व सक्षम प्राधिकारी की प्राविधिक स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय। स्वीकृत धनराशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र निर्धारित प्रारूप पर यथासगय शासन तथा महालेखाकार को उपलब्ध करा दिया जाय। स्वीकृति की प्रत्याशा में अनानुमोदित व्यय कदापि न किया जाय।

इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2006-07 के आय-व्ययक में अनुदान राख्या-30 के अन्तर्गत लेखा शीर्षक 4202- शिक्षा खेलकूद तथा संस्कृति पर पूँजीगत परिव्यय -01- सामान्य शिक्षा-202- माध्यमिक शिक्षा- आयोजनागत- 02-अ०स्०जा० के लिए स्पेशल कम्पोनेन्ट प्लान -0201-अ०स्०जा०बाहुल्य क्षेत्रों मे रा०हा०, इ०कालेजों के भवनहीन भवनों का निर्माण-24 -वृहत निर्माण कार्य के नामें डाला जायेगा।

यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-432/ विता-3/06 दिनों क 23-8-2006 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय.

(एस० के० माहेश्वरी) सचिव